सुविचार

अगर आप खुद का सम्मान करते हैं तो अच्छे गुण वालों के साथ रहें, क्योंकि बुरी संगत में रहने से अच्छा है अकेले रहना।
- जार्ज वाशिंगटन, पूर्व राष्ट्रपति अमेरिका

# अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली महानगर

बरेली , बुधवार,20 अगस्त 2025


## बरेली के प्रमुख समाचार


- महिला पुलिसकर्मी बेटियों को दे 10 हजार रुपये भरण पोषण राशि-II
- पीलीभीत रोड ठीक कराएं या हमें बजट दें-III
- सुविधाएं न होने पर बॉक्सरों का पंजीकरण से ऐतराज -IV


## सिटी ब्रीफ

### जायरीन की जंक्शन पर रही भीड़, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

**बरेली, अमृत विचार** : उर्स-ए-रजवी में हिस्सा लेने के लिए विभिन्न शहरों से आ रहे जायरीन की भारी भीड़ मंगलवार को बरेली जंक्शन पर उमड़ी। इसकी वजह से सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया। जीआरपी और आरपीएफ पूरे समय अलर्ट मोड पर रहीं। जंक्शन परिसर में जीआरपी और बम निरोधक दस्ते ने संयुक्त रूप से सघन सर्च अभियान चलाया। इस दौरान प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, पार्सल एरिया और ट्रेन कोचों में गहन जांच की गई। डॉग स्क्वॉड की मदद से लावारिस सामान की भी पड़ताल की गई। यात्रियों को अनाउंसमेंट और पर्चों के माध्यम से जहरखुरानों और जेबकतरों से सतर्क रहने की अपील की गई। जीआरपी प्रभारी परवेज अली खान ने बताया कि उर्स के चलते स्टेशन पर भीड़ है, सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के साथ यात्रियों को भी जागरूक किया जा रहा है।

### स्टेशनों पर ठंडे पानी के लिए वसूल रहे हैं अधिक रकम

**बरेली, अमृत विचार** : बरेली जंक्शन और सिटी स्टेशन पर यात्रियों और जायरीन से ठंडे पानी के बदले अधिक रकम वसूलने की शिकायतें आई हैं। जायरीन का आरोप है कि कुछ पानी विक्रेता और स्टॉल संचालक तय कीमत से अधिक रकम वसूल रहे हैं। इसके अलावा रेल नीर की जगह अन्य कंपनी के पानी की बिक्री को भी अधिक महत्व दिया जा रहा है। आरोप है कि बरेली जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर दो पर 15 रुपये की बोतल के लिए 20 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। ठंडे पानी के बदले सामान्य बोतल की तुलना में 2 से 5 रुपये अतिरिक्त लिए जा रहे हैं। यात्रियों ने इस बारे में रेलवे अधिकारियों से शिकायत की। रेलवे प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के अनुसार स्टेशनों पर पानी की बिक्री के लिए निर्धारित दरें तय की गई हैं और उनसे अधिक वसूली को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित ठेकेदारों और स्टॉल संचालकों को चेतावनी दी गई है और अगर दोबारा शिकायत मिली तो उनके लाइसेंस रद्द किए जा सकते हैं।

## शिव दरबार

गंगा महारानी शोभायात्रा में शामिल शिव दरबार झांकी में कलाकारों ने गणों की कला का प्रदर्शन करके सबको रोमांचित कर दिया।

# त्योहारों से पहले ट्रेनें रिग्रेट, दो महीने पहले सीटें बुक

कार्यालय संवाददाता, बरेली



- मारामारी से बचने को यात्रियों ने दो महीने पहले ही सीटें आरक्षित कराईं
- दिवाली व अन्य त्योहारों को देखते हुए विशेष फेस्टविल ट्रेनें चलेंगी

**अमृत विचार** : त्योहारी सीजन में लंबी दूरी की ट्रेनें अभी से रिग्रेड होने लगी हैं। दीपावली और अन्य प्रमुख त्योहारों को देखते हुए दो महीने पहले ही सीटें आरक्षित करा ली हैं और प्रमुख ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति बन गई है। यानि, वेटिंग लिस्ट भी पूरी हो चुकी है और अब यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो गया है।

दरअसल, त्योहारों पर घर जाने की योजना बना रहे यात्रियों ने हार बार की तरह दो महीने पहले ही टिकट आरक्षित कर लिए हैं। दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, सूरत और हावड़ा जैसे बड़े शहरों से पूर्वी भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में त्योहारों के आसपास की तारीखों की अधिकांश सीटें भर चुकी हैं।

यात्रियों को राहत देने के लिए रेलवे प्रशासन ने विशेष फेस्टिवल ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव तैयार कर जोनल मुख्यालय को भेज दिया है। इन ट्रेनों का संचालन त्योहारों के दौरान विशेष रूटों पर किया जाएगा, जिससे भीड़ का दबाव कम हो सके और अधिक यात्रियों को सीट मिल सके।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि मांग के अनुसार अतिरिक्त कोच लगाने और विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि मुख्यालय से स्वीकृति मिलते ही इन ट्रेनों की घोषणा जल्द कर दी जाएगी।

### गढ़ में रुकेगी बरेली-दिल्ली और रोजा में बरेली-प्रयागराज पैसेंजर

**बरेली, अमृत विचार** : रेल यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने कोरोना काल के दौरान बंद किए गए कुछ स्टेशनों पर पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब बरेली-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन गढ़ मुक्तेश्वर स्टेशन पर रुकेगी। लंबे समय से स्थानीय यात्रियों की इस स्टॉपेज को लेकर मांग की जा रही थी, जिसे रेलवे प्रशासन ने अब स्वीकार कर लिया है। गढ़ मुक्तेश्वर धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और यात्री आते-जाते हैं। इसके साथ ही उत्तर रेलवे ने बरेली-प्रयागराज पैसेंजर को रोजा जंक्शन पर भी ठहराव देने का निर्णय लिया है। यह ठहराव भी प्रतिदिन रहेगा। रोजा स्टेशन से बड़ी संख्या में यात्री प्रयागराज, लखनऊ की ओर यात्रा करते हैं। ठहराव शुरू होने से रोजा के यात्रियों को अब सीधे ट्रेन कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

# मुसलमानों-मदरसों को देश भक्ति के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

## उर्स ए रजवी के दूसरे दिन मंच से बोले उलमा, आपसी सौहार्द के लिए सेकुलर हिंदू मुस्लिम मिलकर बनाएं गठजोड़, आगे आएं देशभर की खानकाह

कार्यालय संवाददाता, बरेली



इस्लामिया मैदान में उर्स ए रजवी में शामिल होने के लिए पहुंचे देश-विदेश के जायरीन। ● अमृत विचार

- इस्लामिया में नामूस-ए-रिसालत आपसी सौहार्द व मसलक ए आला हजरत कांफ्रेंस आयोजित
- मदरसों को देखा जा रहा शक की निगाह से, आए दिन कराई जा रहीं तरह-तरह की जांचें

**अमृत विचार** : उर्स-ए-रजवी के दूसरे दिन मंगलवार को इस्लामिया मैदान पर नासूस-ए-रिसालत,आपसी सौहार्द कॉन्फ्रेंस व मसलक ए आला हजरत कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें उलमा ने कहा कि मुसलमानों और मदरसों को देश भक्ति के लिए किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। वही उर्स के मंच से उलमा ने कहा कि आपसी सौहार्द के लिए देश में सेकुलर हिंदू मुस्लिम मिलकर एक गठजोड़ बनाया जाएगा। इसके लिए देशभर की खानकाह को आगे आना होगा।

उर्स ए रजवी में आला हजरत की मोहब्बत में हजारों जायरीन पहुंच चुके है। उर्स के दूसरे दिन मंगलवार सुबह 8 बजे इस्लामिया मैदान में अंतरराष्ट्रीय नामूस-ए-रिसालत, आपसी सौहार्द और मसलक-ए-आला हजरत कॉन्फ्रेंस का आयोजन दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हानी मियां व सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां की सदारत व सय्यद आसिफ मियां की देखरेख में किया गया। कॉन्फ्रेंस का आगाज मुफ्ती जईम रजा ने किया। कॉन्फ्रेंस को खिताब करते हुए मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी ने दरगाह प्रमुख सुब्हानी मियां का पैगाम देते हुए कहा कि आपसी सौहार्द के लिए देश में सेकुलर हिंदू-मुस्लिम मिलकर एक गठजोड़ बनाएं। इसके लिए हिंदुस्तान की खानकाहों को आगे आना होगा। मदरसों को आज शक की निगाह से देखा जाता है। कभी ये जांच कभी वो जांच। इन लोगों को ये नहीं मालूम कि आजादी के मतवालों ने इन्हीं मदरसों से तालीम हासिल की है। फिर चाहे वो टीपू सुल्तान हो, बहादुर शाह जफर या फिर अल्लामा फजले हक खैराबादी। मुसलमानों और मदरसों को देशभक्ति के लिए किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं। उलमा ने कहा कि अमेरिका ने दुनिया के कितने देशों को बर्बाद कर दिया। आज इजराइल अमेरिका की मदद से फिलिस्तीन को बर्बाद कर रहा है।

### मुसलमान के हर बच्चे को देश का संविधान समझना जरूरी

उर्स के मंच से उलमा ने तकरीर करते हुए कहा कि दुनिया के देशों के संविधान में सबसे खूबसूरत संविधान हमारे देश का है। मुसलमान के हर बच्चे को अपने देश का संविधान समझना जरूरी है। इस देश में सभी को अपने मजहबी कार्यक्रम आयोजित करने की पूरी आजादी है। राजनीतिक पार्टियों के झांसे में आए बिना अपने देश से सच्ची मोहब्बत रखते हुए देश की तरक्की और खुशहाली के लिए काम करें। राजनीतिक पार्टियों की हुकूमत आती है और चली जाती है। हमारे देश का इतिहास बहुत पुराना है। इस मिट्टी में सभी का लहू शामिल है। सभी इस मुल्क के निवासी है। राजनीतिक पार्टियों से लगाव अलग चीज है, मुल्क से वफादारी अलग। हम अपने बच्चों को शरीयत के कानून के साथ देश के कानून को भी पढ़ाएं।

### मुसलमानों के शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ेपन पर जताई चिंता

संभल से आए कारी युसुफ रजा ने सामाजिक बुराई जैसे महिलाओं के साथ होने वाली जुल्म ज़्यादती, बढ़ती दुष्कर्म की घटनाएं, आपसी लड़ाई झगड़े, सूद का कारोबार, शराब, नशाखोरी, शादियों में फुजूलखर्ची, डीजे ढोल बाजे, मुसलमानों के शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ेपन पर फिक्र जाहिर करते हुए लोगों से ऐसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया। मौलाना कमर रजा ने आला हजरत के वैज्ञानिक कारनामों पर रोशनी डाली। मौलाना जाहिद रजा और मुफ्ती बशीर उल कादरी ने कहा कि बरेली की पहचान दुनिया भर में आला हजरत की वजह से है। उन्होंने बरेली में आला हजरत कॉरिडोर बनाने की मांग की।

### पाकिस्तानी यू ट्यूबर उलमा से दीन न सीखें सुन्नी मुसलमान

उलमा ने कान्फ्रेंस में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तानी यू ट्यूबर उलमा से दीन न सीखें बल्कि सुन्नी उलमा की किताबों से दीन सीखें। अपनी बहुओं-बेटियों की हिफाजत करें। नमाजों की पाबंदी करते हुए मालदार मुसलमान अपनी जकात की रकम से समाज से गरीबी दूर करें। कारी सखावत मुरादाबादी ने देश भर से आये उलमा व मस्जिदों के इमामों से अपील करते हुए कहा कि वो लोग जुमे की नमाज में आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने, नफरत मिटाने और शरई दायरे में रहकर आपसी भाईचारे को मजबूत करने पर जोर दें।

# ई-बाइक शेयरिंग की सुविधा की जगी उम्मीद चार्जिंग स्टैंड के लिए भूमि की तलाश में निगम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- प्रमुख चौराहों, बाजारों, बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन के पास चार्जिंग स्टैंड बनाए जाएंगे

**अमृत विचार**ः प्रदूषण और ट्रैफिक जाम की समस्या नियंत्रित करने के लिए नगर विकास विभाग ने स्मार्ट सिटी बरेली में ई-बाइक शेयरिंग योजना को आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए नगर निगम ने चार्जिंग स्टैंड के लिए जगह की तलाश शुरू कर दी है।

नगर विकास मंत्रालय ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ई बाइक सेवा शुरू करने के लिए सबसे पहले चार्जिंग स्टैंड के लिए जगह की तलाश कर ली जाए। इसको लेकर शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और शिक्षण संस्थानों के पास चार्जिंग स्टैंड बनाए जाएंगे। इसके लिए निगम अब उपयुक्त भूमि की तलाश कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पहले चरण में 150 से ज्यादा ई-बाइक को सड़कों पर उतारा जाएगा।

> ई बाइक शेयरिंग सेवा से स्मार्ट सिटी को एक नई पहचान मिलेगी। वहीं यातायात व्यवस्था भी काफी हद तक सुधरेगी। इसके लिए विभागीय तैयारी की जा रही है। यह सेवा शुरू करने के पहले स्टैंड और चार्जिंग स्टेशन को लेकर जगह चिह्नित की जानी है। - **संजीव कुमार मौर्य**, नगर आयुक्त

### आनलाइन सिस्टम पर आधारित होगा

शहर में अगर ई-बाइक शेयरिंग योजना धरातल पर उतरी तो यह पूरी तरह से एप आधारित होगा। लोग मोबाइल पर एप के जरिए नजदीकी बाइक स्टेशन से ई-बाइक की सेवा ले सकेंगे। गंतव्य तक यात्रा कर चार्जिंग प्वाइंट पर जमा करने की सुविधा होगी।

# मानसून सूखने से बचा रहा धरा की कोख, प्रशासनिक प्रयास हुए फेल

- प्री मानसून सर्वे रिपोर्ट में देहात की तुलना में शहर की स्थिति थी दयनीय
- पोस्ट मानसून स्थिति जानने को टीमें मंडल के चारों जिलों में कर रहीं सर्वे

**बरेली, अमृत विचार**ः जिले में भू-गर्भ जल स्तर लगातार गिर रहा है। मई में भू-गर्भ जल विभाग की ओर से जारी प्री मानसून सर्वे रिपोर्ट में देहात की तुलना में शहर की स्थिति काफी दयनीय मिली है। बावजूद इसके हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। तमाम जागरूकता के बाद भी धड़ल्ले से भू-गर्भ जल का दोहन हर वर्ग कर रहा है, लेकिन मानसून में हुई अच्छी बारिश से विभाग जल स्तर में सुधार होने की बात कह रहा है।

विभाग के सीनियर हाइड्रियोलॉजिस्ट सौरभ शाह ने बताया कि मंडल के चारों जिलों में टीमें सर्वे कर रहीं हैं। टीमों की ओर से जो इनपुट मिल रहे हैं इससे संभावना है कि जो पोस्ट मानसून सर्वे अक्टूबर में पूर्ण होगा इसमें जलस्तर में सुधार दिखेगा। हालांकि विभाग की ओर से लगातार लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

# स्वास्थ्य विभाग प्रयास हो रहे फेल साल दर साल प्रभावी हो रहे मच्छर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

## विश्व मच्छर दिवस पर विशेष



मलेरिया वार्ड में भर्ती मरीज।

- बीते तीन साल से हर साल सामने आ रहे 2 हजार से अधिक मलेरिया के मरीज

> डेंगू-मलेरिया पर नियंत्रण के लिए इस बार जिले भर में 3272 टीमें लगी हैं। ये टीमें घर-घर सर्वे कर रही हैं और लक्षण मिलने पर जांच कर लोगों को त्वरित इलाज मुहैया करा रही हैं। इस वर्ष अब तक दो लाख से अधिक मलेरिया की जांचें की गई हैं। लोगों से अपील है कि मच्छरों से बचाव की गाइडलाइन का सख्ती से पालन करें। - **डॉ. विश्राम सिंह**, सीएमओ

**अमृत विचार** : स्वास्थ्य विभाग के तमाम प्रयासों के बावजूद जिले में डेंगू और मलेरिया के मामलों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। इससे विभागीय प्रयासों पर सवालिया निशान लग रहा है। हैरत की बात ये है कि जिले में बीते चार माह से संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत लोगों को मच्छरों से बचाव करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है, लेकिन मलेरिया के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में जनवरी से अब तक कुल 1025 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हो चुकी है।

जिला मलेरिया विभाग से मिली रिपोर्ट के अनुसार जिले में वर्ष 2022 में मलेरिया के 2228, 2023 में 3490, 2024 में 2815 और इस वर्ष अब तक 1025 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हो चुकी है। मलेरिया ही नहीं डेंगू ने भी जिले में जमकर कहर बरपाया है। भले ही इस वर्ष अब तक महज 4 डेंगू मरीज सामने आए हों, लेकिन वर्ष 2022 में 1759, वर्ष 2024 में 1804 और इस वर्ष अब तक 4 मरीज सामने आए हैं, लेकिन बीते वर्षों में सितंबर के अंत में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती है।

### वर्ष 2019 में मिले थे सबसे ज्यादा मलेरिया केस

मलेरिया अफसरों के अनुसार हर वर्ष संचारी रोगों को लेकर शासन स्तर से निगरानी की जाती है ऐसा इसलिए कि वर्ष 2019 में जिले में मलेरिया आउटब्रेक हुआ था, इस दौरान जिले में मलेरिया के प्रदेश में सर्वाधिक कुल 46717 मरीज सामने आए थे। बुखार को लेकर जिले भर में त्राहि-त्राहि मच गई थी। हालांकि इसके बाद से लगातार विभागीय निगरानी बढ़ने से मामलों की संख्या घट रही है।

## समस्या

परसाखेड़ा में एनीमल बर्थ केयर सेंटर तैयार, संचालन की बाधा नहीं हो पा रही दूर

# आश्रय गृह को नहीं मिल रहा संचालक, आवारा कुत्ते बने मुसीबत

- नगर निगम दुविधा में, नसबंदी कराने के बाद पकड़े गए कुत्तों को कहां छोड़ा जाए

कार्यालय संवाददाता, बरेली




एनिमल बर्थ केयर सेंटर।



शहर में घूमते आवारा कुत्ते। ● अमृत विचार

**अमृत विचार** : सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिन पहले आवारा कुत्तों को लेकर आदेश दिया था कि उन्हें पकड़ कर आश्रय गृहों में छोड़ा जाए, लेकिन हकीकत यह है कि नगर निगम को एनीमल बर्थ केयर सेंटर को संचालित करने के लिए एजेंसियां नहीं मिल रही हैं। इसके कारण सेंटर बनकर तैयार होने के बाद भी संचालित नहीं हो पा रहा है।

शहर में आवारा कुत्तों की समस्या से निजात पाने के लिए नगर निगम ने परसाखेड़ा में एनिमल बर्थ केयर सेंटर तैयार कराया है, लेकिन शहरवारी आवारा कुत्तों से निजात नहीं पा रहे हैं। नगर निगम के अफसरों ने आदेश जारी किए थे कि सड़कों पर घूम रहे कुत्तों को पकड़कर उन्हें आश्रय गृहों में छोड़ा जाए। इन आदेशों के पीछे उद्देश्य यह है कि आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि नगर निगम स्तर पर इस दिशा में किए गए प्रयास अधूरे साबित हो रहे हैं। नगर निगम ने आवारा कुत्तों के प्रबंधन के लिए एनीमल बर्थ केयर सेंटर का निर्माण कराया है। इसका मकसद था कि पकड़े गए कुत्तों की नसबंदी कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखा जाए, लेकिन सेंटर का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि निगम को इस सेंटर के संचालन के लिए एजेंसियां नहीं मिल रही हैं।

नगर निगम ने पिछले माह में एनीमल बर्थ केयर सेंटर संचालन के लिए निविदा भी आमंत्रित की थी, लेकिन एजेंसियों ने इसमें रुचि दिखाई। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि सेंटर का संचालन न केवल खर्चीला है बल्कि इसमें प्रशिक्षित डॉक्टरों और स्टाफ की भी जरूरत होती है। फिलहाल एजेंसियां न मिलने के कारण मामला अटक गया है और हर मोहल्लों में लोग आवारा कुत्तों के शिकार हो रहे हैं। खासतौर पर सुबह और शाम के समय कॉलोनियों और पार्कों में कुत्तों के झुंड देखने को मिल रहा है। इनके हमले से आए दिन बच्चे और बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं।

> एनीमल बर्थ केयर सेंटर को शुरू करने के लिए निजी एजेंसियों को जिम्मेदारी दी जानी है। इसको लेकर निजी एजेंसियों की तलाश की जा रही है। प्रयास है कि बहुत जल्द शुरू कर दिया जाए। आवारा कुत्तों को पकड़ने का हर रोज अभियान चलाया जा रहा है। - **डॉ. नैन सिंह**, उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी

### कुत्ते पकड़ने और नसबंदी पर सालाना 20 लाख खर्च

नगर निगम का दावा है कि पिछले साल 2008 आवारा कुत्तों की नसबंदी की गई है, जबकि इस साल जुलाई माह तक 912 कुत्तों की नसबंदी की गई है। हकीकत यह है कि आवारा कुत्तों की संख्या कम नहीं हो रही है। नगर निगम ने पिछले साल आवारा कुत्तों को पकड़ कर उनकी नसबंदी कराने में 27 लाख रुपये खर्च किए थे। इससे पहले 22 लाख रुपये का बजट खर्च हुआ था।

# पानी के लो प्रेशर से लोग परेशान

**बरेली, अमृत विचार**ः सूफी टोला वार्ड में पानी के लो प्रेशर से लोग परेशान हैं। पार्षद सहित अन्य लोगों ने जलकल विभाग से शिकायत की है।

पार्षद जैनब परवीन ने शिकायती पत्र में बताया है कि वार्ड संख्या आठ के मदीना मस्जिद के पास स्थित घरों में कई दिनों से लो प्रेशर के कारण पानी की आपूर्ति ठीक से नहीं हो पा रही है। साबिर ने बताया कि बाल्टी भरने में 40 से 45 मिनट का समय लग जा रहा है। लईक खान ने बताया कि सहायक अभियंता जलकल विभाग से समस्या के निदान करने की मांग की है लेकिन एक सप्ताह का समय गुजर गया है। इसके बाद भी पानी की आपूर्ति ठीक से नहीं हो पा रही है।

# टाउनशिप जल्द होगी विकसित 800 किसानों ने दी सहमति

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बीडीए ने भूमि अधिग्रहण को लेकर शुरू की कवायद

**अमृत विचार**ः रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली की तरह बीडीए की पीलीभीत बाईपास पर प्रस्तावित नई टाउनशिप में विकास कार्य शुरू करने के लिए भूमि अधिग्रहण की कवायद शुरू कर दी गई है। नई टाउनशिप के लिए चिह्नित गांवों के किसानों से संपर्क किया जा रहा है। अब तक 800 किसानों ने सहमति दे दी है।

योजना के लिए बीडीए ने आसपुर खूबचंद्र, अडूपुरा, अहिलादपुर, बरकापुर कुम्हरा, कलापुर, मोहरनियां, नवदिया कुर्मियान और हरहरपुर की 267 हेक्टेयर की भूमि चिह्नित की है। मंगलवार को किसानों से क्रय की जाने वाली भूमि की पर आपत्ति भी मांग ली गई। बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंडन ए ने बताया कि क्रय समिति की बैठक में रेट तय कर भूमि के बैनामा का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इन गांवों के 800 से अधिक किसानों से भूमि खरीदी जाएगी।

## सिटी ब्रीफ

### देवर ने की छेड़छाड़ पति ने महिला को पीट कर निकाला

**बरेली, अमृत विचार :** इज्जतगर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ उसके देवर ने छेड़छाड़ की। विरोध करने पर पति ने पिटाई कर बेटी के साथ उसे घर से निकाल दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। महिला ने बताया कि उसकी शादी 2014 में हुई थी। शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा तो वह बेटी के साथ पीलीभीत में मायके में रहने लगी। 17 अगस्त को अपने ससुराल वापस आई। जहां पर उसके साथ देवर ने छेड़छाड़ कर जान से मारने की धमकी दी।

### घर में घुसकर महिला की चेन छीनी, नौ पर रिपोर्ट दर्ज

**बरेली, अमृत विचार :** बारादरी थाना क्षेत्र में नौ लोगों ने एक घर में घुस कर महिला की चेन छीन ली। विरोध करने पर पूरे परिवार के साथ मारपीट की। पुलिस ने चार नामजद समेत नौ आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गांव डोहरा निवासी राजेश कुमार ने बताया कि सोमवार रात करीब 10 बजे उसके घर में श्याम मूर्ति, महेश, शिवम, कमल बाबू समेत पांच अज्ञात लोग लूट करने के इरादे से घुस गए। आरोप है कि उनकी पत्नी गोमती के गले से चेन खींच कर उसे गिरा दिया। इस पर उसके भतीजे ने विरोध किया तो लोहे की रॉड से उस पर हमला कर दिया। सभी ने कमरों में अलमारी, बक्सा तोड़ने लगे। विरोध पर परिवार के सभी लोगों के साथ मारपीट की गई।

### आशा कार्यकर्ता की मौत, जेवरात गायब होने पर अस्पताल में हंगामा

**बरेली, अमृत विचार :** फतेहगंज पूर्वी में 17 अगस्त को सड़क हादसे में कुंवरपुर दानपुर की आशा कार्यकर्ता सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गई थी। एक निजी एंबुलेंस ने सुनीता को राजेंद्रनगर निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने शव देखते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि जब उनकी मरीज अस्पताल में भर्ती हुई थी तब नाक, कान समेत शरीर पर कई जेवरात थे लेकिन जब शव दिया तो सभी गायब हैं। परिजन राजीव ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन ने जेवरात गायब किए गए हैं। कई बार मांगने के बाद भी आईसीयू में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग नहीं दिखा रहे हैं। आईसीयू में जब मरीज भर्ती की गईं तो जेवर मौजूद होने संबंधी फोटो उनके पास हैं।

# पूर्व और मौजूदा प्रधान के मजहबी रंग देने पर बढ़ा टकराव

## पुलिस ने बवाल कराने में मौजूदा और पूर्व प्रधानों की भूमिका को लेकर शुरू की जांच, संलिप्तता मिलने पर दोनों के खिलाफ हो सकती है सख्त कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार :** इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गांव खजुरिया जुल्फिकार में उर्स-ए-रजवी की चादर निकालने के दौरान नई परंपरा बता कर विरोध कर रहे लोगों को पूरी तरह से उकसाया गया। पुलिस की प्राथमिक जांच में पाया गया कि पूर्व प्रधान और मौजूदा प्रधान ने इस झड़प को मजहबी रंग देने का पूरा प्रयास किया। वायरल वीडियो में भी कई लोग एक दूसरे को उकसाते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में पुलिस ने वीडियो के जरिये उपद्रवियों को चिह्नित करने के साथ ही बवाल में पूर्व और मौजूदा प्रधानों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है।

इज्जतनगर क्षेत्र के खजुरिया जुल्फिकार और रहपुरा चौधरी गांव में मंगलवार को निकाले गए चादर के जुलूस को लेकर कुछ लोगों ने सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास किया। विरोध कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान नेत्रपाल की मिलीभगत और पुलिस की शह पर गांव में नई परंपरा डालने की कोशिश की जा रही है। विरोध करते हुए लोगों ने नारेबाजी कर हंगामा किया। ग्रामीणों ने बताया कि पहले केवल गांव से चादर जाती थी, लेकिन इस बार डीजे, झंडों और नारेबाजी के साथ जुलूस निकाला गया। उन्होंने इसे नई परंपरा करार देते हुए कहा कि इससे माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों ने पुलिस पर विरोध कर रहे लोगों पर लाठी चार्ज करने का भी आरोप लगाया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पुलिस के साथ भीड़ की झड़प और लाठियां फटकारते हुए पुलिस दिखाई दे रही है। गांव के पूर्व प्रधान हीरालाल और वर्तमान प्रधान नेत्रपाल पर भी ग्रामीणों में गुस्सा फूटा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दोनों ने मिलकर नई परंपरा शुरू कराई और जान-बूझकर जुलूस निकलवाया। वहीं इस झड़प में राजू सागर नाम के एक युवक के सिर में मामूली चोटें आई हैं। मौके पर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष संजय शुक्ला का कहना है कि पुलिस ने ग्रामीणों को बेवजह पीटा है, उच्चाधिकारियों को दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

**2023 में पहली बार जुलुस निकालने का आरोप :** ग्रामीणों ने बताया कि 2023 से पहले कभी भी चादर का जुलूस इस गांव से नहीं निकाला गया। आरोप है कि 2023 में बच्चों ने चादर का जुलूस निकाला तो दूसरे पक्ष के लोगों ने इसका विरोध किया। इसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया था कि आगे से जुलूस जब भी निकलेगा तो गांव की सीमा के बाहर जाकर ही चादर खोली जाएगी, लेकिन इस बार लोगों ने इज्जतनगर थाने में चादर जुलूस के लिए परमिशन मांगी। इस पर पुलिस ने उन्हें परमीशन दे दी और सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया। गांव में जैसे ही चादर का जुलूस आया तो दूसरे पक्ष के लोगों ने इसका विरोध कर दिया।

**पूर्व और मौजूदा प्रधान की आपसी रंजिश बनी झड़प की वजह :** सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार दोनों पक्षों में थाने में बैठकर लिखित समझौता हो गया था। उसके बावजूद कुछ शरारती तत्वों ने चादर जुलूस का विरोध किया। पूर्व और वर्तमान प्रधान की आपसी रंजिश की वजह से ये विवाद पनपा। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधान हीरालाल और वर्तमान प्रधान नेत्रपाल में चुनावी रंजिश चली आ रही है। दोनों ने अपनी राजनीति चमकाने के लिए लोगों को उकसाने का काम किया है। दोनों की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच में साक्ष्यों के आधार पर सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

खजुरिया जुल्फिकार में जुलूस के दौरान पुलिस से भिड़ते लोग। ● अमृत विचार

मौके पर मौजूद पुलिस ने लोगों को खदेड़ा। ● अमृत विचार

### तन सिर से जुदा का नारा लगाने का आरोप

उधर मंगलवार की देर शाम को उर्स में शामिल होने के लिए जायरीन निकल रहे थे। जो कोतवाली के निकट पहुंचे तो नारेबाजी करना शुरू कर दिया। इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु पटेल ने एक वीडियो एक्स (ट्विटर) पर शेयर किया है। जिसे बरेली पुलिस समेत पुलिस अधिकारियों को टैग किया है। वह वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। हिमांशु पटेल ने किए गए ट्विट में लिखा है कि दूसरे समुदाय के लोग गुस्ताखे नवी की एक सजा तन सिर से जुदा तन सिर से जुदा का नारा लगाकर जनपद का माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस इन खुरापातियों पर कठोर कार्रवाई करे।

- झड़प कर रहे लोगों को वीडियो के जरिये चिह्नित कर रही पुलिस
- जुलूस की चादर खोलने के स्थान को लेकर भड़का था एक पक्ष

उर्स-ए-रजवी में चादर का जुलूस निकालने को लेकर दोनों पक्षों में पुलिस के सामने लिखित समझौता किया था। कुछ लोगों ने चादर खोलने के स्थान को लेकर माहौल खराब करने का प्रयास किया। पहले लोगों को समझाया गया, नहीं मानने पर लाठी फटकार कर हटाया गया। पूर्व और मौजूदा प्रधान ने आपसी रंजिश में इसे तूल देने का काम किया। दोनों की भूमिका की जांच की जा रही है। आगे सख्त कार्रवाई की जाएगी।

-मानुष पारीक, एसपी सिटी

### आला हजरत दरगाह से डीजे और चादरों के जुलूस पर रोक की अपील का नहीं दिखा असर

**बरेली, अमृत विचार :** इज्जतनगर थाना क्षेत्र के खजुरिया जुल्फिकार गांव में मंगलवार की दोपहर उर्स ए रजवी में जा रही चादर में दूसरे पक्ष के लोगों ने नई परंपरा बताकर विरोध किया था। इसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करके मामले को शांत किया था। उर्स ए रजवी की शुरुआत से पहले दरगाह आला हजरत की तरफ से जायरीन से अपील करते हुए कहा था कि दरगाह पर डीजे और चादरों के जुलूस लेकर नहीं आए। डीजे और चादर के पैसे से गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करें, लेकिन इसके बाद भी बड़ी संख्या में लोग दरगाह की अपील पर अमल नहीं करते हुए चादर और डीजे के जुलूस लेकर पहुंच रहे हैं।

# प्लॉट के विवाद में पड़ोसियों ने की मारपीट, सदमे में बुजुर्ग की मौत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ दर्ज की गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट
- परिजनों ने दबाव बना कर पड़ोसियों पर समझौता कराने का लगाया आरोप

**अमृत विचार :** डोहरा गौंटिया में प्लॉट को लेकर हुए विवाद के दूसरे दिन बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने पड़ोसियों पर दबाव बनाकर समझौता कराने का आरोप लगाया। आरोप है इसी कारण सदमे में आने से बुजुर्ग की मौत हुई है। थाना बारादरी पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

राजेश की फाइल फोटो

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि डोहरा गौंटिया में 17 अगस्त की रात 60 वर्षीय राजेश कुमार ने पड़ोसी श्याममूर्ति, महेश, शिवम और कमल बाबू पर प्लॉट के पीछे मारपीट करने का आरोप लगाया था। इसमें राजेश के 16 वर्षीय भतीजे मोहित को नाक पर चोट आई थी। परिजनों ने उस वक्त तहरीर नहीं दी। अगले दिन 18 अगस्त को दोपहर बाद राजेश की ओर से तहरीर दी गई, जिसमें घर में घुसकर मारपीट के आरोप दूसरे पक्ष पर लगाए गए। इस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। सोमवार देर रात सूचना मिली कि राजेश की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजेश के बड़े भाई अश्वनी कुमार की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों ने नई तहरीर में बताया कि समझौते के बाद से राजेश मानसिक रूप से टूट गए थे। उन्हें यह बेइज्जती और तनाव बर्दाश्त नहीं हुआ, जिसके चलते उनकी मौत हो गई।

## हार्न बजाने पर कार सवार को खींचकर पीटा

**बरेली, अमृत विचार :** सुभाषनगर क्षेत्र में सोमवार देर रात होटल से व्यवसायिक बैठक कर घर लौट रहे कार सवार को युवकों ने हॉर्न बजाने पर कार से खींचकर बेल्टों से पीटा। पीड़ित ने सुभाषनगर थाने में दो नामजद और 10-12 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वंशीनगला निवासी मुकेश दिवाकर ने बताया कि वह होटल से लौट रहे थे कि तभी घर से पांच सौ मीटर पहले रोड पर कुछ लोग खडे. थे। हार्न बजाने पर उन लड़कों ने कार में तोड़फोड़ कर दी। 10-12 लोगों की भीड़ ने कार से खींचकर बेल्टों से पीटा। मारपीट के दौरान मोनू यादव और पीयूष यादव का नाम ले रहे थे। सुभाषनगर थाने में मुकेश की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

# महिला पुलिसकर्मी बेटियों को दे 10 हजार रुपये भरण पोषण राशि

विधि संवाददाता, बरेली

- पति ने पढ़ा-लिखाकर सिपाही बनाया, अब परिवार से बना ली दूरी
- पति दोनों बच्चियों का खर्चा उठाने में अक्षम, कोर्ट ने दिया आदेश

**अमृत विचार :** प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय चन्द्र प्रकाश तिवारी ने लखनऊ में तैनात महिला पुलिसकर्मी को उसकी दो नाबालिग बेटियों को प्रतिमाह 5-5 हजार रुपये भरण पोषण की रकम अदा किये जाने का आदेश दिया है। पुत्रियां वर्तमान में अपने पिता के साथ रह रही हैं।।

सुभाषनगर थाना क्षेत्र निवासी वादी पक्ष के वकील निर्भय यादव ने बताया कि लखनऊ में बंथरा थाने में तैनात महिला आरक्षी की दो पुत्रियां 14 व 7 वर्ष की हैं जोकि अपने पिता के साथ रह रहीं है, पुलिसकर्मी के पति ने अदालत में अर्जी देकर बताया कि उसका प्रेम विवाह 13 फरवरी 2009 को आर्य समाज मंदिर में हुआ था। विवाह उपरांत दो पुत्रियों का जन्म हुआ। शादी के समय पत्नी 11वीं कक्षा पास थी। उसने पत्नी को 12वीं से परास्नातक तक की पढ़ाई अपने खर्च पर करायी। वर्ष 2011 में पत्नी का चयन होमगार्ड में हो गया। 14 मई 2019 को पुलिस विभाग में आरक्षी पद पर नौकरी मिल गयी। उसने आरोप लगाया कि पत्नी भारतीय सेना में तैनात युवक से मोबाइल पर कालिंग व चैटिंग करती थी। पूछने पर सही जानकारी नहीं दी। मई 2020 से एक बार भी उसके घर नहीं आयी। केवल फोन पर बातचीत हो जाती थी। उसने पत्नी को कई बार समझाया कि वह नौकरी के साथ-साथ कभी छुट्टी लेकर उसके व बच्चों के पास आकर रहा करे, लेकिन पत्नी ने कोई बात नहीं मानी। आरोप है कि पत्नी ने धमकी दी कि अगर दबाव डाला तो आत्महत्या कर लेगी या उसे जान से मरवा देगी। पत्नी का वेतन 40 हजार रुपये प्रतिमाह है। उसकी इतनी आय नहीं है कि वह अपनी दोनों पुत्रियों का जीवन निर्वाह कर सके। अदालत ने महिला आरक्षी को दोनों पुत्रियों को 5-5 हजार रुपये प्रतिमाह 10 तारीख तक पति के बैंक खाते में पेटीएम, गूगल पे, भीम एप आदि से अदा किये जाने का आदेश दिया है।

# हमला कर बोले, सपा सरकार आई तो नामोनिशान मिटा देंगे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सुभाषनगर में शोभायात्रा के दौरान झगड़े के दूसरे दिन युवक को घेरकर किया हमला

**अमृत विचार :** सुभाषनगर थाना क्षेत्र में जन्माष्टमी पर निकली शोभायात्रा के दौरान विवाद हो गया। इसके दूसरे दिन सोमवार शाम एक युवक पर दूसरे समुदाय के युवकों ने घेरकर चाकू और तलवार से हमला कर दिया। आरोपियों ने कहा कि सपा सरकार आई तो नामोनिशानमिटा देंगे। पुलिस ने चार नामजद और दो अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

करेली निवासी संजीव ने बताया कि 17 अगस्त को जन्माष्टमी पर शोभायात्रा निकाली गई थी। यात्रा समाप्त होने के बाद कुछ लोगों से कहासुनी हो गई थी। अगले दिन जब वह बाजार से घर लौट रहे थे, तभी करेली निवासी शाहरुख, एंथोनी, आरिफ, मोहिन और उनके दो अज्ञात साथी वहां पहुंचे और उन्हें घेरकर धारदार हथियारों और तमंचे से हमला कर दिया। हमलावरों ने धमकी देकर कहा कि यह सरकार हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती, जिस दिन हमारी सरकार बनेगी उस दिन तुम्हारा नामोनिशान मिटा देंगे। सुभाषनगर इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है, जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## हेड कांस्टेबल की कार का शीशा तोड़ कर बैट्री चोरी

**बरेली, अमृत विचार :** बारादरी थाना क्षेत्र में दुकान के बाहर खड़ी हेड कांस्टेबल की कार के शीशे तोड़ कर बैट्री चोरी कर ली गई। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पवन विहार कालोनी में किराए के मकान में रह रहे हेड कांस्टेबल अमित कुमार मिश्र ने बताया कि वह यहां पर परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार रात उन्होंने अपनी कार मकान से लगभग 30 मीटर की दूरी पर चौधरी मार्बल की दुकान के पास खड़ी की थी। देर रात करीब 12.25 बजे कार लेने आए तो शीशा टूटा हुआ था और बैट्री भी गायब थी।

# गर्भकाल में अनदेखी का साया, 76 महिलाएं हेपेटाइटिस ग्रस्त मिलीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जिला महिला अस्पताल में इस वर्ष अब तक की जांच में आए नतीजे
- हेपेटाइटिस सी यानि काली पीलिया के मरीजों की संख्या अधिक

**अमृत विचार :** गर्भकाल के दौरान की गई अनदेखी से महिलाएं जानलेवा बीमारियों की चपेट में आ रही हैं। इस वर्ष जनवरी से जुलाई तक जिला महिला अस्पताल स्थित पैथोलॉजी लैब में जांच कराने आईं गर्भवती महिलाओं में 76 हेपेटाइटिस से ग्रसित मिली। लैब की रिपोर्ट के अनुसार इन मरीजों में 30 से अधिक जानलेवा हेपेटाइटिस सी यानि काला पीलिया की चपेट में आईं, अन्य हेपेटाइटिस बी से ग्रसित हैं।

जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. त्रिभुवन प्रसाद से बताया कि सुरक्षित मातृत्व को लेकर अस्पताल में भर्ती होने वाली सभी मरीजों की प्रसव से पूर्व ब्लड, मधुमेह, हेपेटाइटिस, एचआईवी समेत सभी जांच कराई जाती हैं, अगर कोई मरीज गंभीर संक्रमण से ग्रसित पाई जाती है तो तुरंत उपचार किया जाता है। इस वर्ष भी 50 से अधिक महिलाएं हेपेटाइटिस से ग्रस्त मिली हैं।

### शिशु को भी संक्रमण का खतरा अधिक

जिला महिला अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा सिंह ने बताया कि अगर गर्भवती हेपेटाइटिस से ग्रसित है तो शिशु में 85 फीसदी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। मां से होने वाले संक्रमण से बचाने के लिए प्रसव के तुरंत बाद बच्चे को इम्यूनोग्लोविन टीका लगाया जाता है। जो कि अस्पताल में मौजूद है। हालांकि प्रसव से पूर्व समय-समय पर डॉक्टर की सलाह लेना अनिवार्य होता है। जिससे गंभीर बीमारियों से बचाव हो सके।

# गैर इरादतन हत्या में दिव्यांग की जमानत मंजूर

विधि संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार:** युवक की गैर इरादतन हत्या के मामले में स्पेशल जज एससी/एसटी कोर्ट अफशा ने आरोपी थाना बहेड़ी के गांव गुडवारा निवासी शैम्पू उर्फ शिम्पू की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। मुल्जिम के वकील ने उसे रंजिशन फंसा देने और दिव्यांग होने का तर्क दिया।

वकील विनीत प्रकाश विन्नी ने बताया कि वादी ने घटना के दो माह बाद थाना बहेड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 मार्च की रात 1 बजे भाई महावीर घर पर था, तभी गांव के अशोक कुमार ने महावीर को शैम्पू व नन्हे लाल के जरिए होली बढ़ाने के बहाने से बुलाया था।

तीनों लोगों ने एक टुकटुक से गांव से करीब एक किलोमीटर दूर बहेड़ी-बरेली रोड पर श्मशान भूमि के पास ले जाकर उसके भाई को जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर नाजायज तमंचों, लाठी डंडे से बुरी तरह से मारा पीटा। महावीर के सिर और शरीर में गंभीर चोटें आयी। बेहोशी की हालत में मरा समझकर मौके से भाग गये। जानकारी मिलने पर उठाकर घर पर लाए, होश में आने पर सारी घटना बतायी, इलाज के दौरान मौत हो गयी।

# आधार कार्ड के लिए घंटों इंतजार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार :** प्रधान डाक घर में आधार कार्ड बनवाने के लिए लोगों को घंटों लाइन में लगकर इंतजार करना पड़ रहा है। इसके अलावा जिले के अन्य डाकघरों में भी इसी तरह से लोगों को दिक्कतें हो रही हैं।

जिले में आधार कार्ड बनवाने के 387 केंद्र हैं, जिसमें से नगर क्षेत्र में 10 डाक घरों में आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं लेकिन सर्वाधिक भीड़ सिर्फ प्रधान डाक घर में ही पहुंच रही है। यहां प्रतिदिन सौ से अधिक आधार बनाए जा रहे हैं। यहां आधार बनवाने से लेकर संशोधन जैसे कार्यों के लिए घंटों खड़े होना पड़ रहा है। भोजीपुरा की रहने वाली रेशमा ने बताया कि आधार बनवाने के लिए बच्चों को लेकर सुबह से बैठी हूं। बिथरी चैनपुर के अरुण ने बताया उन्हें आधार में संशोधन कराना है। उपडाकघर में देर से पहुंचने पर आधार का फार्म नहीं मिला तो यहां आकर तीन घंटे से खड़े हैं। प्रधान डाकघर के सीनियर पोस्ट मास्टर जीए खान ने बताया पहले से स्थिति में सुधार है, जो लाइन शाम तक नहीं निपट पाती थी, अब शाम तक सभी लोगों का हो पा रहा है।

प्रधान डाकघर में आधार कार्ड बनवाने के लिए लगी लाइन। ● अमृत विचार

- प्रधान डाकघर में रोजाना लग रही लाइन

### धीरे-धीरे पटरी पर आ रहा एपीटी सॉफ्टवेयर

डाकघर के सिस्टमों हाल ही में इंस्टाल हुआ एपीटी या आईटी 2.0 सॉफ्टवेयर अब धीरे-धीरे पटरी पर आ रहा है। हालांकि अब भी ऑनलाइन खाते खुलवाने जैसे विकल्पों में सर्वर व्यस्त बता रहा है लेकिन बुकिंग जैसे कार्यों ठीक गति से निपट रहे हैं।

## शॉर्ट सर्किट से फैक्ट्री में लगी आग

इज्जतनगर के कत्था फैक्ट्री में मंगलवार की रात करीब 9:00 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग की विकराल लपटें देखकर फैक्ट्री में हड़कंप मच गया सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड और इज्जत नगर टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद काबू पा लिया। इज्जतनगर थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगी थी, लेकिन समय रहते आग बुझा ली गई। किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। ● अमृत विचार

# ट्रांसफार्मर में लगी आग, 15 घंटे से अधिक गुल रही बिजली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सुबह पानी की आपूर्ति को तरसे लोग, इंवर्टर भी हुए ठप
- शहर के अन्य इलाकों में फाल्ट और ट्रिपिंग ने किया परेशान

**अमृत विचार:** किला क्षेत्र में सोमवार रात ट्रांसफार्मर में आग लगने से पूरी रात बिजली गुल रही। लगातार 15 घंटे से अधिक की कटौती होने से इन्वर्टर भी ठप हो गए। वहीं सुबह के समय क्षेत्र में पानी की आपूर्ति भी नहीं हो सकी। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

किला सबस्टेशन के फूटा दरवाजे के पास लगे ट्रांसफार्मर में सोमवार रात करीब 1 बजे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयंकर रूप ले लिया। आग की ऊंची लपटे देख लोग घरों से बाहर निकल आए। उसके बाद फायर ब्रिग्रेड को सूचना दी। आपूर्ति बंद कराने को क्षेत्र के लोग बिजली अधिकारियों और कर्मचारियों को कॉल करते रहे, लेकिन किसी का कॉल नहीं उठा। आग में ट्रांसफार्मर और उसकी लीड जलने से 15 घंटे तक किला सबस्टेशन के गढ़ैया फीडर पर बिजली आपूर्ति बंद रही। जिससे करीब एक हजार से अधिक उपभोक्ता परेशान हुए। इसके अलावा कटरा चांद खां, डीडीपुरम, सैनिक कॉलोनी, राजेंद्र नगर, रामपुर बाग, पीलीभीत बाईपास रोड स्थित पवन विहार, फाईक एंकलेव में लोकल फाल्ट और फेस नहीं आने की समस्या रही। वहीं मिशन सबस्टेशन पर दोपहर 1 से 4 बजे तक कटौती की गई। गंगा महारानी शोभायात्रा के चलते शहर के अलग-अलग इलाकों में शटडाउन के चलते भी बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। सीबीगंज, सुभाषनगर और शहर के अन्य इलाकों में भी बिजली की ट्रिपिंग का सिलसिला जारी रहा।

ट्रांसफार्मर में आग लगने के बाद उठतीं ऊंची-ऊंची लपटें। ● अमृत विचार

अमृत विचार

www.amritvichar.com

# उर्स के मंच से मांग, मॉब लिंचिंग पर बनाया जाए कानून

## मथुरापुर मदरसे में हुई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, देश-विदेश के उलमा हुए शामिल, बेटियों को पढ़ाने समेत अन्य मामलों पर रखे विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार :** इस्लामिया मैदान के अलावा मथुरापुर जामियातुर रजा मदरसे में भी काजी-ए-हिन्दुस्तान मुफ्ती मुहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में उर्स ए रजवी के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जिसमें उर्स के दूसरे दिन मदरसे में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

इसमें उलमा ने बेटियों को पढ़ाने समेत अन्य मामलों पर अपने विचार रखे। उलमा ने मंच से मांग की कि मॉब लिंचिंग को लेकर सख्त कानून बनाया जाए, जिससे निर्दोषों की जान लेने वालों को कड़ी सजा मिल सके।जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व उर्स प्रभारी सलमान मियां ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी उर्स-ए-रजवी का पैगाम न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में फैले आला हजरत के चाहने वालों तक पहुंचेगा।

जो अमन, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार की देर रात तक दरगाह आला हजरत और दरगाह ताजुश्शरिया में गुलपोशी व चादरपोशी की और हजारों की तादाद में लोगों ने काजी ए हिन्दुस्तान से मुरीद हुए। जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान फरमान मियां ने बताया कि इस बार उर्स ए रजवी 15 देशों में धूमधाम से मनाया जाएगा। सऊदी अरब, यूके, कनाडा, साउथ अफ्रीका, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, मॉरीशस, फ्रांस और जर्मनी आदि लोग शामिल हैं। दुनियाभर में आला हजरत के चाहने वाले उर्स ए रजवी के प्रोग्राम मुफ्ती मुहम्मद असजद रजा खां कादरी के ऐलान पर आफिशियल चैनल पर प्रसारित होंगे। मथुरापुर में होने वाले कार्यक्रम में डा. मेहंदी हसन, हाफिज इकराम, शमीम अहमद, मोईन खान, नदीम सुब्हानी, कारी वसीम, कौसर अली, समरान खान समेत अन्य लोग लगे हुए है।

उर्स ए रजवी के दौरान मथुरापुर मदरसे में हजारों की संख्या में जुटे देश-विदेश के जायरीन। ● अमृत विचार

- 15 देशों में सजाई जा रही उर्स ए रजवी की महफिल
- इन देशों के ऑफिशियल चैनल पर होगा प्रसारण

### रेहान-ए-मिल्लत व मुफस्सिर-ए-आजम का कुल

**बरेली, अमृत विचार :** उर्स ए रजवी में दूसरे दिन मुफ्ती-ए-आजम हिंद, मुफस्सिर-ए-आजम और रेहान मिल्लत के कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। इसमें देश में अमन चैन और भाईचारे की दुआ मांगी गई। कार्यक्रम में मौलाना असलम टनकपुरी, नेपाल से आए नसरुद्दीन रजवी, मॉरीशस से मुफ्ती नदीम, मुफ्ती रियाजुल हसन, मुफ्ती अय्यूब खां नूरी, मुफ्ती कलीम उर रहमान, मुफ्ती नवाजिश अली ने भी अपने कलाम पेश किए। अब्दुर्रहमान कादरी ने शिजरा मुफ्ती जमील और मुल्क की तरक्की व मिल्लत की खुशहाली के लिए दुआ की। मुफ्ती आकिल रजवी की लिखी इमदादुल कारी की नौवीं जिल्द का विमोचन दरगाह प्रमुख सुब्हानी मियां ने किया। कांफ्रेंस दोपहर 12 बजे तक चली। आखिर में मुफ्ती अफरोज आलम को खिराज ए अकीदत पेश की गई। 20 अगस्त को सुबह कुरानख्वानी का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 8 बजे इस्लामिया मैदान में महफिल का आगाज होगा। इसमें देश-विदेश के उलमा तकरीर करेंगे। दोपहर में 2 : 38 पर आला हजरत के कुल की रस्म अदा की जाएगी। इसी के साथ तीन रोजा उर्स ए रजवी का समापन हो जाएगा। उर्स की व्यवस्था संभालने में राशिद अली खान, औरंगज़ेब नूरी, ताहिर अल्वी, परवेज नूरी, नासिर कुरैशी, हाजी जावेद खान, अजमल नूरी, शाहिद नूरी, मंजूर रज़ा, मुजाहिद रज़ा, अब्दुल माजिद, नफीस खान समेत अन्य लोग लगे हुए हैं।

## सिटी ब्रीफ

### बागवानी मिशन के अनुदान से सुधरेगी किसानों की दशा

**बरेली, अमृत विचार :** बागवानी मिशन योजनाएं के ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। इन योजनाओं के तहत किसानों को अनुदान प्रदान किया जाएगा और लाभार्थियों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि किसान 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' माइक्रो इरिगेशन के तहत ड्रिप सिंचाई, मिनी स्प्रिंकलर, माइक्रो स्प्रिंकलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर और लार्ज वॉल्यूम (रेनगन) जैसी तकनीकों के लिए आवेदन कर सकते हैं। एकीकृत बागवानी विकास योजना के लिए पपीता, ड्रैगन फ्रूट, जामुन, करौंदा, लहसुन, स्ट्रॉबेरी, और हाइब्रिड सब्जियों जैसी फसलों के साथ-साथ जैविक खेती, मधुमक्खी पालन और खेतों की बाड़बंदी के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

### विश्व फोटोग्राफी दिवस पर सम्मानित हुए छायाकार

**बरेली, अमृत विचार :** बरेली फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद आनंद ने फोटोग्राफी के महत्व को बताया और कहा कि फोटोग्राफी हमें यादों को सहेजने और उन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने का एक प्रभावी तरीका प्रदान करती है। फोटोग्राफी एक शक्तिशाली माध्यम है जो हमें दुनिया को नए दृष्टिकोण से देखने का अवसर देता है। मुकेश सक्सेना ने कहा कि यह दिन हमें फोटोग्राफी के माध्यम से दुनिया को समझने और उसकी सुंदरता को कैप्चर करने के लिए प्रेरित करता है। एसोसिएशन ने फोटोग्राफी के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी कला का कौशल दिखाने वाले छायाकार छोटे लाल, सगीर अहमद, सुनील रंजन, राज किशोर मिश्रा, समी, सर्वेश सिंह, उवेश उद्दीन, विजय गुप्ता, विवेक शर्मा को स्मृति चिह्न व आभार पत्र देकर सम्मानित किया। रमाकांत शुक्ला, प्रमोद कुमार, अखिलेश कश्यप, वीरू, अरविंद शर्मा, प्रदीप सिंह, सकीना अंसारी, दिनेश्वर दयाल सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

### मौलाना तौकीर रजा ने जायरीन के रुकने और खाने का किया इंतजाम

**बरेली, अमृत विचार :** आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां की तरफ से उर्स ए रजवी में बाहर से आने वाले जायरीन के रुकने और ठहरने का इंतजाम किया है। फरहान रजा खान ने बताया कि ये इंतजाम निशुल्क किया गया है। इसमें मुख्य रूप से फरहान रजा खान, नोमान रजा खान, इमरान खान, जाहिद खान, वसिफ यार ख़ान, शहजाद पठान नियाजी, रहबर अंसारी, रिजवान अंसारी आदि सारी व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं।

### बच्चों को मेडिकल व इंजीनियरिंग की कराएं तैयारी

जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन ख़ान फरमान मियां ने बताया कि उर्स के दूसरे दिन मथुरापुर जामियातुर रजा मदरसे में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए देश विदेश के उलमा पहुंचे। इसमें उलमा ने मुसलमानों से अपील करते हुए कहा कि वह बच्चों को दीनी तालीम के साथ दुनियावी तालीम भी दिलाएं। इसके अलावा उर्स के मंच से कहा गया कि सरकार को मॉब लंचिंग पर कानून बनाना चाहिए। जिससे निर्दोष लोगों के साथ मारपीट करने वालों को सजा मिले। वहीं उलमा ने कहा कि अपने बच्चों को डॉक्टर और इंजीनियरिंग की तैयारी कराएं, जिससे वह लोगों की मदद कर सकें।

उर्स के मौके पर इस्लामिया मैदान में टोपियां खरीदते जायरीन। ● अमृत विचार

# बच्चियों की हिफाजत पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत : अदनान मियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आरएसी ने कराई मुफ्ती-ए-आजम कॉन्फ्रेंस
- दिनभर चला चादरों के जुलूस का सिलसिला

**अमृत विचार :** उर्स-ए-रजवी व उर्स-ए-अमीन-ए-शरीअत के दूसरे दिन मंगलवार को मरकजी मस्जिद बीबी जी में रात 9 बजे मुफ्ती-ए-आजम हिंद कॉन्फ्रेंस ऑल इंडिया रजा एक्शन कमेटी (आरएसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अदनान रजा कादरी की सरपरस्ती में हुई। उन्होंने तालीम और पर्दे को अपनाने और नशाखोरी जैसी बुराइयों से बचने की नसीहत की। मौलाना ने कहा कि मुस्लिम बच्चियों के ईमान और जान की हिफाजत के लिए सामूहिक निकाह की जो मुहिम शुरू की गई है, उसको इस साल भी बड़े पैमाने पर जारी रखा जाएगा।

मुफ्ती ए आजम कॉन्फ्रेंस का आगाज मुफ्ती उमर रजा ने कुरान पाक की तिलावत से किया। इसके बाद नातो-मनकबत के नजराने पेश किए गए और उलमा ने तकरीरें की। मौलाना अदनान रजा कादरी ने कहा कि मुसलमान अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। शादियों में फिजूल खर्च और गैरजरूरी रस्मों से बचें और अपनी मेहनत की कमाई को बच्चों की पढ़ाई पर लगाएं ताकि उनके बच्चे बड़े होकर न सिर्फ अपने खानदान की बल्कि पूरी कौम की खिदमत कर सकें। उन्होंने महिलाओं और बच्चियों के पर्दा करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी बच्चियों की हिफाजत पर बहुत ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

उन्हें पढ़ाएं ज़रूर मगर उनकी इज्जत पर ध्यान दें। आगे कहा कि इस्लाम में सिर्फ शराब ही नहीं बल्कि हर तरह का नशा हराम है। यह इमान, सेहत और कमाई को खा जाता है। उन्होंने कहा कि कहा कि फ्रूट बीयर जैसे नामों से नौजवानों को शराब का आदी बनाने की साजिश रची जा रही है। इसी तरह जुये की भी नई-नई क़िस्में ईजाद करके क़ौमो-मिल्लत को बर्बाद करने के मंसूबे बनाए जा रहे हैं। कॉन्फ्रेंस में मुफ्ती उमर रजा, सय्यद शबाहत मियां, सय्यद फरमान मियां, अहमद-उल-फत्ताह फैजाबादी, मुहम्मद अली फैजी, मीर हसन मुस्तफाई, अकील सिद्दीक़ी, हाफिज इमरान रजा बरकाती, मौलाना कमरुज्जमा, राजू बाबा, मोहम्मद जुनैद, सय्यद मुशर्रफ हुसैन, हनीफ अज़हरी, सईद सिब्तेनी, नज्म बरकाती, मुफ्ती आमिर जफर समेत बड़ी तादाद में आरएसी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- दरगाह आला हजरत वाली गली में खरीदारी करते जायरीन। ● अमृत विचार

### चादरों के जुलूस आरएसी मख्यालय पहुंचे

उर्स के दूसरे दिन सुबह से ही चादरों के जुलूस आरएसी मुख्यालय "बैतुर्रज़ा" पहुंचते रहे। मनहेरा, बिहार कलां, सेंथल, गैनी, भोजीपुरा, नवाबगंज, भूड़ा, जैड़, बिथरी चैनपुर से चादरें लेकर आए अकीदतमंदों ने अदनान मियां से मुलाक़ात कर दुआएं लीं और फिर आला हज़रत के मज़ार शरीफ़ पर चादरें पेश कीं। शहर में अलग-अलग जगहों के अलावा "बैतुर्रज़ा" पर भी बड़े स्तर पर लंगर जारी रहा। आरएसी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता हेल्पलाइन, फ्री टेंपो सेवा, फ्री मेडिकल कैंप के जरिये जायरीन की मदद में जुटे रहे।

## जायरीन की सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट

पुलिस बल को ड्यूटी समझाते एसएसपी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार :** उर्स में शामिल होने के लिए शहर में पहुंच रहे जायरीन की सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। सोमवार आधी रात एसएसपी अनुराग आर्य ने पुलिस बल की ब्रीफिंग कर सड़कों पर पैदल मार्च किया।

एसएसपी ने रात 12:30 से 1:45 बजे तक बिहारीपुर चौकी से मलूकपुर चौकी तक पैदल मार्च कर जगह-जगह तैनात पुलिस अधिकारियों और जवानों से सुरक्षा इंतजाम की जानकारी ली। उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को साफ हिदायत दी कि उर्स में आने वाले जायरीन की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। एसएसपी ने यातायात व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन और भीड़ नियंत्रित करने के इंतजामों पर खास जोर दिया। इस दौरान उन्होंने जायरीन और स्थानीय लोगों से भी बातचीत की। निरीक्षण के वक्त एसपी सिटी मानुष पारीक, सीओ प्रथम आशुतोष शिवम, सीओ द्वितीय, सीओ हाईवे समेत कई पुलिस अधिकारी और भारी पुलिस बल उनके साथ मौजूद रहा।

## उर्स में अखिलेश की भेजी चादर पेश की

कार्यालय संवाददाता, बरेली

दरगाह पर चादर पेश करते सपा नेता। ● अमृत विचार

- सपा के प्रतिनिधि मंडल ने दरगाह पर चादरपोशी की
- देश में अमन चैन और तरक्की की दुआ मांगी

**अमृत विचार:** उर्स-ए-रजवी के दौरान मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम अखिलेश यादव की तरफ से भी दरगाह पर चादरपोशी कराई गई। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व प्रदेश महासचिव एवं बहेड़ी विधायक अताउर रहमान ने किया।

साथ में जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप, महानगर अध्यक्ष शमीम सुल्तानी, डॉ. अनीस बेग ने चादरपोशी कर मुल्क में अमन-चैन और तरक्की की दुआ मांगी। प्रतिनिधि मंडल सबसे पहले पार्टी कार्यालय से रवाना होकर मथुरापुर स्थित मदरसा पर पहुंचा, जहां उर्स प्रभारी हजरत सलमान मियां और फरमान मियां से मुलाकात कर अखिलेश यादव का संदेश और भाईचारे का संदेश देता है, हमें इस पैगाम को घर-घर तक पहुंचाना चाहिए। पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार, जिला उपाध्यक्ष रविंद्र यादव, राजेश मौर्या, मुश्ताक अहमद, सुरेंद्र सोनकर, हसीब खान, नाजिम कुरैशी, ब्रजेश श्रीवास्तव, मोहित भरद्वाज, मोहसिन खान, जितेंद्र मुंडे, हाजी शकील आदि मौजूद रहे।

और बधाई पत्र सौंपा। इसके बाद सभी नेता दरगाह आला हजरत पहुंचे। डॉ. अनीस बेग ने भी कहा कि आला हजरत के उर्स का यह मुबारक मौका अमन, मोहब्बत

## सिटी डायरी

### इमरान प्रतापगढ़ी ने दरगाह पर भेजी चादर

**बरेली, अमृत विचार :** उर्स के मौके पर मंगलवार को कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की तरफ से दरगाह आला हजरत पर चादर भेजी गई। चादर लेकर अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शमीम अल्वी, राष्ट्रीय महासचिव महमूद खान, सरदार इन्द्रजीत सिंह बांगा, महबूब छोकर, दानिश अशरफ सहित अन्य राष्ट्रीय नेता पहुंचे। उसके बाद कांग्रेसी नेता दरगाह आला हजरत पर चादरपोशी करने के लिए पहुंचे। इस मौके पर पीलीभीत जिला कोऑर्डिनेटर चौधरी असलम मियां, अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश कंट्रोल रूम इंचार्ज अनवर अनीस, बदायूं कोऑर्डिनेटर कुलभूषण त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा, प्रदेश महामंत्री हसनैन अंसारी, जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष शहजाद अली, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अवनीश बक्शी, पूर्व एमएलसी प्रत्याशी डॉ. मेहंदी हसन, महानगर अध्यक्ष आफताब आलम, सेवादल के प्रदेश महासचिव मोहम्मद हसन समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

### राष्ट्रवादी पसमांदा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी चढ़ाई चादर

**बरेली, अमृत विचार :** राष्ट्रवादी पसमांदा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच प्रदेश महासचिव शारिक अब्बासी के नेतृत्व में उर्स के मौके पर दरगाह आला हजरत पर चादरपोशी और गुलपोशी की गई। जिसमें देश एवं प्रदेश में शांति अमन चैन आपसी भाईचारा और आपसी सौहार्द के लिए दुआ की। इस मौके पर मौजूद रहे मोहम्मद हसीब, तारिक कुरैशी, वासिफ मिर्जा, शब्बू कुरैशी, सुभान कुरैशी, नासिर अंसारी, जहीर अहमद, मोहम्मद शानू, शफातुल्लाह उस्मान उमर, अरमान अब्बासी मौजूद रहे।

### दरगाह प्रमुख से की मुलाकात

**बरेली, अमृत विचार :** इत्तेहाद मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकील नूरी ने दरगाह आला हजरत पहुंचकर दरगाह प्रमुख सुब्हानी मियां से मुलाकात की। इस मौके पर जफर अजीज वारसी, डॉ. अनीस, डॉ वसी, मंडल अध्यक्ष मोहसिन रजा, जिला अध्यक्ष मोमिन चिश्ती मौजूद रहे। इसके अलावा इत्तेहाद मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकील नूरी ने पुराना शहर स्थित कांकर टोला में लंगर का भी आयोजन किया।

## पीलीभीत रोड ठीक कराएं या हमें बजट दें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

पीलीभीत रोड पर फैली बजरी।

- पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन ने जल निगम को लिखा पत्र

**अमृत विचार:** पीडब्ल्यूडी और जल निगम ग्रामीण के बीच खींचतान की वजह से पीलीभीत बाईपास रोड गड्ढों में तब्दील हो गई है। पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन ने सोमवार को जल निगम की एक्सईएन को पत्र लिखकर सड़क को ठीक कराने या बजट उपलब्ध कराने को कहा है।

बता दें कि वर्ष 2023 में बैरियर टू चौकी से डोहरा मोड़ तक जल निगम ने सीवर लाइन बिछाने का कार्य किया था। इसके बाद सड़क तो बना दी गई, लेकिन मैनहोल के ढक्कन ऊंचे-नीचे हो गए। यही नहीं सड़क जगह- जगह बैठ गई है। सड़क सही करने को पीडब्ल्यूडी ने कई बार पैचवर्क कराया लेकिन बारिश में नहीं टिक सका। तत्कालीन पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन नारायण सिंह ने भी जल निगम की एक्सईएन कुमकुम गंगवार को पत्र लिखा था। उसके बाद कुछेक जगह मैनहोल के ढक्कन को रोड के समतल किया, लेकिन अधिकांश जगह समस्या बरकरार है। अब कहीं-कहीं तो मैनहोल के ढक्कन चार से छह इंच तक सड़क से ऊपर हैं और कहीं इतने ही नीचे हैं। बरसात के समय तो जलभराव में वाहन चालकों को ये नहीं दिखते, इसकी वजह से कई बार दो पहिया सवार गिरकर चोटिल हो जाते हैं। बीते दिनों सड़क धंसने पर भी पीडब्ल्यूडी को सड़क की मरम्मत करानी पड़ी थी। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि सड़क सही कराने की जिम्मेदारी जल निगम की है, क्योंकि सीवर लाइन डालने के बाद सड़क बिछाने का काम जल निगम ने कराया था। एक्सईएन प्रांतीय खंड भगत सिंह का कहना है कि जल निगम की एक्सईएन को पत्र भेजा गया है कि वह सड़क को दुरुस्त कराएं नहीं तो बजट उपलब्ध कराएं ताकि सड़क को ठीक कराया जा सके।

## झारखंड के राज्यपाल ने भेजी चादर

संतोष गंगवार की भेजी चादर लेकर पहुंचे भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी।

**बरेली, अमृत विचार:** झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की चादर लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष परवेज मियां दरगाह आला हजरत पहुंचे। उन्होंने सुब्हानी मियां से मुलाकात कर उर्स-ए-रजवी की मुबारकबाद दी। सज्जादानशीन सुब्हानी मियां से फोन पर राज्यपाल संतोष कुमार ने वार्ता कर उर्स की बधाई दी और देश की तरक्की के लिए दुआ की अपील की। दरगाह पर सय्यद आसिफ मियां, सय्यद मुस्तफा मियां, अजमल नूरी, नासिर कुरैशी, शाहिद नूरी ने प्रतिनिधि मंडल ने शामिल अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष शावेज रईस, निहाल खान, इमरान खान, अकरम पठान, जावेद अंसारी, डॉ. नबी रजा, मोहम्मद आसिम, हाजी जहीर साहब, हाजी शाकिर, इस्लाम सुल्तानी, शाहरुख खान, शानू अंसारी, तोहिद अहमद ने दरगाह पर चादर पेश की।

## सिटी ब्रीफ

### दीक्षारंभ कार्यक्रम में किया गया बदलाव

**बरेली, अमृत विचार** : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी फैकल्टी के दीक्षारंभ कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अभी प्रवेश प्रक्रिया जारी रहने की वजह से संकायाध्यक्ष ने इसे 1 सितंबर से शुरू करने का आदेश जारी किया है।

### 117 शिक्षकों को मिला मनचाहा स्कूल

**बरेली, अमृत विचार** : परिषदीय विद्यालयों के सरप्लस शिक्षकों के ट्रांसफर की दूसरी सूची जारी हो चुकी है। स्वेच्छा से ट्रांसफर की दूसरी सूची में 176 शिक्षकों में से 117 की अर्जी स्वीकृत हुई। दूसरे सत्र में 661 परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक सरप्लस घोषित हुए थे, जिनमें से लगभग 200 शिक्षकों ने स्वेच्छा ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था, जिसमें से 176 शिक्षकों के फार्म स्वीकृत हुए थे।

### एथलेटिक्स और बैडमिंटन में महिला खिलाड़ियों का चयन

**बरेली, अमृत विचार** : स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रदेश स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता के लिए बैडमिंटन एवं एथलेटिक खेलों के लिए मंगलवार को जिला स्तरीय ट्रायल हुए। एथलेटिक्स में अंजलि, मंतशा, अंशु, राधा, प्रतिज्ञा, दीक्षा, काजल, दीपू कश्यप, ईशा, रितिका, शिवानी, रिद्धी, नीलम, पूजा, मुस्कान का चयन हुआ तो वहीं बैडमिंटन प्रतियोगिता में सलोनी, नंदिका, नाइशा, साक्षी, स्निग्धा, अदिति, सुगंधा का चयन हुआ है। एथलेटिक्स और बैडमिंटन की प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता अयोध्या में 25 से 26 अगस्त को आयोजित होगी।

# धूमधाम से निकली गंगा महारानी शोभायात्रा, पुष्प वर्षा से स्वागत

## श्री गंगा महारानी पुष्पधा कमेटी की ओर से श्री गंगा महारानी मंदिर मलूकपुर कसगरान से निकली शोभायात्रा

कार्यालय संवाददाता, बरेली



मलूकपुर कसगरान के गंगा महारानी मंदिर से निकली गंगा महारानी की विशाल शोभायात्रा में झूमते श्रद्धालु। ● अमृत विचार



शोभायात्रा में शामिल हुई मनमोहक झांकियां। ● अमृत विचार





**अमृत विचारः** नाथ नगरी में मंगलवार को धार्मिक सद्भाव का अनोखा नजारा देखने को मिला। श्री गंगा महारानी पुष्पधा कमेटी मलूकपुर कसगरान की ओर से 96 वां वार्षिक उत्सव एवं गंगा महारानी की विशाल शोभायात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। यात्रा में जहां हिंदू श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए, वहीं बाहर से आए जायरीन भी शोभायात्रा को देखने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। देर रात शोभायात्रा मलूकपुर स्थित मंदिर पर पहुंच कर विश्राम किया।

शोभायात्रा की शुरुआत मलूकपुर कसगरान स्थित श्री गंगा महारानी मंदिर में दोपहर 12:30 बजे भव्य पूजन के साथ हुई। मेयर डॉ. उमेश गौतम और जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने मां गंगा की मूर्ति की आरती उतारकर यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जैसे ही यात्रा निकली, बैंड-बाजों और डीजे की धुन पर युवाओं की टोली झूम उठी। कई स्थानों पर लोग जाम में फंसकर भी वीडियो बनाते नजर आए। शोभायात्रा विभिन्न मार्गों डलाव वाली मठिया, सिटी सब्जी मंडी, कुंवरपुर, जसौली, किला, चौकी, बड़ा बाजार, कुतुबखाना, शिवाजी मार्ग, मठ की चौकी, श्यामगंज, कालीबाड़ी, रोडवेज और मोती पार्क से होते हुए बिहारीपुर ढाल पहुंची, जहां से मंदिर परिसर में आकर देर रात में संपन्न हुई। यात्रा में आकर्षक झांकियां शामिल रहीं।

मुख्य झांकी में गंगा महारानी की भव्य मूर्ति थी। इसके अलावा हनुमान, भगवान शिव व शिव परिवार, खाटू श्याम, भारत माता, राम दरबार, राधा-कृष्ण, महाकाल और पर्वत लिए हनुमान की झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। चार डीजे समेत अन्य झांकियों के साथ यात्रा का माहौल भक्ति और उत्साह से सराबोर हो गया। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। जगह-जगह लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए पानी, प्रसाद और बिस्कुट का वितरित किए।

व्यापारियों ने किला और बड़ा बाजार इलाके में शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। पुलिस और पीएसी जवान हर जगह तैनात रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमित सैनी और मंत्री ब्रह्मस्वरूप सैनी, अतुल सैनी, वीरु, सचिन सैनी, सुबोध अग्रवाल, अंकित सैनी, शिव कुमार समेत अन्य बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।



नावल्टी चौराहे से शाम को गंगा महारानी शोभायात्रा निकालने के दौरान पुलिस फोर्स के साथ मौजूद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य। इस दौरान एक तरफ के रास्ते को बैरिकेड कर रोक दिया गया ताकि कोई विवाद न हो। ● अमृत विचार

# प्रोविजनल सर्टिफिकेट के लिए लंबी लाइन

- रुविवि में सिंगल विंडो पर परेशान हो रहे अभ्यर्थी, ऑनलाइन भी प्राप्त कर सकते हैं प्रमाणपत्र

कार्यालय संवाददाता, बरेली




रुविवि में सिंगल विंडो पर सर्टिफिकेट बनवाने को लगी लाइन। ● अमृत विचार

**अमृत विचारः** रुहेलखंड विश्वविद्यालय में सिंगल विंडो पर प्रोविजनल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए दो दिन से अभ्यर्थियों की लंबी लाइनें लग रही हैं। दरोगा भर्ती में आवेदन करने वाले अभ्यर्थी प्रमाणपत्र के लिए भागदौड़ कर रहे हैं। जल्दी प्रमाणपत्र बनवाने के लिए अभ्यर्थियों की कर्मचारियों से नोकझोंक भी हो रही है और कई तरह के आरोप भी लग रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव के अनुसार अभ्यर्थी ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से प्रोविजनल सर्टिफिकेट बनवा सकते हैं। इसका लिंक भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। उन्हें दूर-दराज से विश्वविद्यालय में आकर परेशान होने की जरूरत नहीं है।

सिंगल विंडो से मिली जानकारी के अनुसार अब तक दो दिन में करीब नौ सौ अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। कई दिनों का अवकाश होने की वजह से अधिक संख्या में अभ्यर्थी पहुंच रहे हैं। सिंगल विंडो के गेट को अंदर से बंद कर लिया जा रहा है ताकि कोई साइड से एंट्री न कर सके। इसके अलावा सुरक्षाकर्मी भी तैनात किए गए हैं। अब तक करीब 12 सौ अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र बनाए जा चुके हैं।

# समाज को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए हुई विहिप की स्थापना



विहिप के कार्यक्रम में बोलते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

**बरेली, अमृत विचारः** शिवाजी प्रखंड नागपंचमी मेला ग्राउंड के हनुमान मंदिर में विश्व हिंदू परिषद का तीसरा स्थापना दिवस मंगलवार को सम्पन्न हुआ। विभाग संगठन मंत्री देवेंद्र सिंह सोम ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना हिंदू समाज में आत्मसम्मान का भाव बढ़ाने के लिए, हिंदू समाज के मान बिंदुओं की रक्षा करने और समाज को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए हुई है। नाथ नगरी में हिंदू समाज के किसी भी मुद्दे पर विश्व हिंदू परिषद सबसे आगे आने वाला संगठन है। नीरज चौरसिया, राजकुमार राजपूत, भगवान स्वरूप, भीम चौरसिया, अंकित शर्मा, वीरेंद्र यादव, संजय शुक्ला, मोहित वर्मा, करन दिवान उपस्थित रहे।

# जिन भक्तों ने सिखाया भगवान से प्रेम करना वही कहलाए भागवत



कथा सुनाते अतुल कृष्ण शास्त्री।

**बरेली, अमृत विचार** : श्री हरि मंदिर में आयोजित 65 वें विराट भक्ति वार्षिक महोत्सव के तहत श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास अतुल कृष्ण शास्त्री ने श्रीमद्भागवत ग्रंथ को भक्ति के साथ ज्ञान, बैराग की पूर्ति करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि जो भक्त भगवान के बन चुके हैं या जिन भक्तों ने हमें भगवान से प्रेम करना सिखाया है उन्हें ही भागवत कहा जाता है।

कथा व्यास ने बताया प्रभु का सहारा ही सबसे प्यारा है। जब भक्त भगवान को प्रेम करता है उनपर अपना अधिकार भी समझता है। इस अवसर पर श्यामा प्यारी हमारी सरकार हमें डर काहे का, ठाकुर हमरे रमण बिहारी हमें है रमण बिहारी के आदि भजन गीत गाए। अंत में कथा व्यास ने बताया इस संसार के बनोगे तो दुख सुख रहेंगे और भगवान को मानोगे तो दुख सुख में कोई अंतर नहीं रहेगा। कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, सचिव रवि छाबड़ा, अश्विनी ओबेरॉय, संजय आनंद, गोविंद तनेजा, अतुल कपूर, गिरीश आनन्द, सतेंद्र कुमार, धीरज सेठी, राजेश अरोरा, सुप्रिया, अंकित अग्रवाल, महिला सेवा समिति की अध्यक्ष रेनू छाबड़ा, कंचन अरोड़ा, नीलम साहनी, नेहा आनंद, नीलम लुनियाल आदि शामिल रहे।

# रैगिंग एक गंभीर सामाजिक बुराई

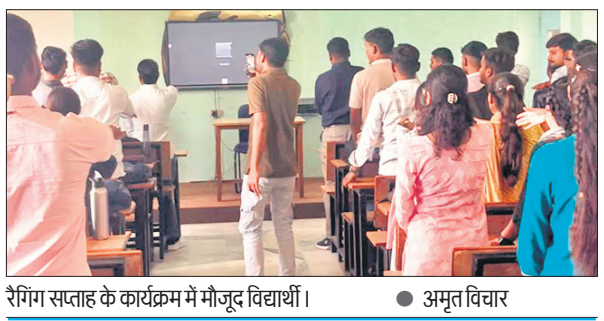



रैगिंग सप्ताह के कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी। ● अमृत विचार

- बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में एंटी-रैगिंग सप्ताह का सफल समापन

**बरेली, अमृत विचारः** बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में एंटी-रैगिंग सप्ताह का आयोजन 12 से 18 अगस्त तक किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रैगिंग के प्रति जागरूकता फैलाना और विश्वविद्यालय परिसर को रैगिंग-मुक्त बनाना था।

सप्ताहभर चली गतिविधियों में छात्रों ने रैगिंग के विरुद्ध शपथ ली और नुक्कड़ नाटक का मंचन हुआ, जिसमें छात्रों ने रैगिंग के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। पैरामेडिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने छात्रों को आपसी सम्मान, सहयोग और अनुशासन का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेकर हाथ से बने एवं डिजिटल पोस्टरों के माध्यम से रैगिंग विरोधी संदेश को और सशक्त किया। ये पोस्टर विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम के दौरान पैरामेडिकल साइंसेस संकाय के डीन डॉ. पुष्पेंद्र कन्नौजिया ने कहा कि रैगिंग केवल एक शरारत नहीं, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक बुराई है। यह छात्रों के मानसिक, शैक्षणिक और भावनात्मक विकास में बाधा उत्पन्न करती है। हमारा कर्तव्य है कि हम सभी मिलकर रैगिंग-मुक्त माहौल बनाएं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि एक रैगिंग-मुक्त विश्वविद्यालय ही स्वस्थ और प्रगतिशील शिक्षा का वातावरण प्रदान कर सकता है। पैरामेडिकल साइंसेस संकाय की ओर से आयोजित यह सप्ताह निश्चित रूप से छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। एंटी-रैगिंग सप्ताह के इस कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अंकित कुमार ने छात्रों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

## सिटी डायरी

### इनरव्हील क्लब ने बालिकाओं को साइकिल बांटीं

**बरेली, अमृत विचार** : इनरव्हील क्लब की ओर से सामूहिक रूप से प्रोजेक्ट मेरी उड़ान का आयोजन सोमवार को बरेली क्लब ग्राउंड में किया गया। जिसमें शहर के 18 इनरव्हील क्लब ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 311 की मंडलाध्यक्ष डॉ. सुरुचि सक्सेना ने की। इस प्रोजेक्ट के तहत 22 जरूरतमंद बालिकाओं को साइकिलें बांटी गई। इसके साथ ही टीशर्ट व फूड पैकेट भी वितरित किए। कार्यक्रम में मंडल सचिव डॉ. नीलू मिश्रा, गीता माथुर, प्रेसिडेंट डॉ. सुधा भाटिया, सचिव अनुपमा शर्मा, कोषाध्यक्ष सिम्मी झांब, एडिटर गीता जैन, जेड पीसी बरखा कंचन, अर्चना बब्बर, नूतन चौधरी, वंदिता शर्मा, रजनी आदि उपस्थित रहे।

### भागवत कथा की महिमा से भक्तों का कराया परिचय

**बरेली, अमृत विचार** : बांके बिहारी मंदिर में मंगलवार को भागवत कथा की शुरुआत हुई। कथा व्यास रजनीशानंद महाराज ने पहले दिन भक्ति की ताकत से भक्तों का परिचय कराया। उन्होंने कथा के श्रवण की महिमा पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। साथ ही वैराग्य के जीवन की महिमा बताई। इस अवसर पर भगवान कृष्ण के भजन जैसे तेरा किसने किया श्रृंगार, हरे राम हरे राम, गोविंद बोलो हरे गोपाल बोलो आदि भजन गाए गए। इस अवसर पर अश्विनी अरोड़ा, विजय बंसल, विजय गुप्ता, विनोद ग्रोवर आदि उपस्थित रहे।

### नारायण कॉलेज में ओरिएंटेशन प्रोग्राम

**बरेली, अमृत विचार** : नारायण कॉलेज में एविएशन सेक्टर का 20 वां ओरिएंटेशन प्रोग्राम हुआ। इसकी शुरुआत मैनेजिंग डायरेक्टर नंदिता देवयानी ने की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को ओरिएंटेशन प्रोग्राम के महत्व के बारे में बताया। प्रबंध समिति के सदस्य विजय मोहन शर्मा ने छात्र-छात्राओं को बताया कि बड़ा आदमी बनने से पहले पहले अच्छे आदमी बनने की कोशिश करो यदि अच्छे आदमी बन गए तो बड़े आदमी अपने आप बन जाओगे। नारायण ग्रुप की कॉर्डिनेटर निशी चौधरी ने सभी नए आए छात्र-छात्राओं का तिलक कर स्वागत किया। कॉलेज के चेयरमैन शशि भूषण और डायरेक्टर कीर्तिका धोनी ने पाठ्य सामग्री प्रदान की। चेयरमैन शशि भूषण ने कॉलेज के रूल्स रैगुलेशन की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कासिफा नूरी ने किया। अपूर्वा सक्सेना, मुस्कान, सुमन गंगवार, दीपिका त्रिपाठी, भूमि यादव, स्नेहा राठौर का योगदान रहा।

### ज्योति कॉलेज में ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

**बरेली, अमृत विचार** : ज्योति कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी के पैरामेडिकल विभाग में डिप्लोमा इन फिजियोथेरेपी, डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्री एंड डीएमएलटी विभाग में ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रबंध निदेशक डीडी शर्मा, उप-निदेशक अखिलेंद्र सिंह, नेक डायरेक्टर डॉ. चारू त्रिपाठी, कार्यकारी अधिकारी आरएस पाल, प्राचार्या डॉ. अनीता चौहान और पैरामेडिकल विभाग के उप-प्राचार्य अजय कुमार यादव ने किया। पैरामेडिकल विभाग की शिक्षिका उपासना ने सभी अतिथियों और छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। डीडी शर्मा ने पैरामेडिकल विभाग के नए छात्र-छात्राओं को हमेशा कड़ी मेहनत एवं लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। अजय कुमार यादव ने पैरामेडिकल के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. अनीता चौहान ने पॉवर प्वांइट के माध्यम से महाविद्यालय के बारे में बताया।

**असुविधा** | स्टेडियम में बॉक्सिंग रिंग टूटा, बारिश में उग आईं झाड़ियां, पंजीकरण बिना प्रवेश पर रोक से बाहर कर रहे प्रैक्टिस

# सुविधाएं न होने पर बॉक्सरों का पंजीकरण से ऐतराज

- सभी खिलाड़ियों का पंजीकरण किया गया है अनिवार्य

कार्यालय संवाददाता, बरेली



स्पोर्ट्स स्टेडियम के बाहर मुक्केबाजी करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

**अमृत विचार** : स्पोर्ट्स स्टेडियम में सभी खेलों के पंजीकरण इसी माह से अनिवार्य हो गए हैं। बॉक्सिंग के खिलाड़ियों का भी पंजीकरण अनिवार्य हो गया है, लेकिन बिना कोच व सुविधाओं के शुल्क देने पर खिलाड़ियों को ऐतराज है।

खिलाड़ियों का कहना है कि पंजीकरण का मतलब है, सुविधा शुल्क। हमें सुविधाएं ही नहीं मिल रही हैं। बॉक्सिंग रिंग भी टूट चुका है। वहीं बारिश में झाड़ियां भी उग आई हैं। अब बिना पंजीकरण के अंदर जाना प्रतिबंधित है, इसलिए खिलाड़ी स्टेडियम के बाहर ही अभ्यास कर रहे हैं। जिला बॉक्सिंग संघ के सचिव आर्यन चौधरी ने बताया बिना कोच के खिलाड़ियों से पंजीकरण कराना व्यर्थ है। इस पर स्टेडियम प्रबंधन से बात करने की कोशिश की गई है लेकिन अब तक नतीजा नहीं निकला है।

> मैं चार माह से अभ्यास करने स्टेडियम जा रहा हूं। हाल ही में पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है, लेकिन बॉक्सिंग में कोच होना भी जरूरी है, तभी तो फीस देना जायज है। – **अमान**, खिलाड़ी

> हम असुविधाओं में अभ्यास कर रहे हैं। कोई देखने वाला नहीं है। हम टूटे हुए रिंग में, फटे हुए पंचिंग बैग के साथ अभ्यास कर रहे थे। अब वह भी नहीं कर रहे हैं। –**मो. ताजीम**, खिलाड़ी

> स्टेडियम में बॉक्सिंग की असुविधाएं हैं, अगर हमें कोच मिल जाता है तो पंजीकरण कराने में कोई समस्या नहीं है। स्टेडियम प्रबंधन को बॉक्सरों के लिए कोच का प्रबंध करना चाहिए, तब शुल्क जायज है। –**विजय**, खिलाड़ी

> स्टेडियम रिंग पर जब खिलाड़ी बाउट करते हैं तो कई बार चोटिल हो जाते हैं। अब अंदर बिना पंजीकरण के प्रवेश वर्जित कर दिया है। पहले 12-13 खिलाड़ी थे, अब मुश्किल से 8 खिलाड़ी बचे हैं। –**सागर**, खिलाड़ी